Seventeenth Loksabha

>

Title: Need to include Aurangabad's name in the list prepared by Jal Shakti Ministry where drinking water is unavailable.

श्री सुशील कुमार सिंह (औरंगाबाद): अध्यक्ष जी, धन्यवाद । आपने मुझे महत्वपूर्ण विषय पर बोलने का मौका दिया है । मैं सत्रहवीं लोक सभा में पहली बार अपने क्षेत्र के एक महत्वपूर्ण विषय को आपकी अनुमति से उठाने जा रहा हूँ । महोदय, मैं बिहार के औरंगाबाद संसदीय क्षेत्र से चुनकर आया हूँ, जो पूरा का पूरा पठारी व जमीनी तपिश, अत्यधिक तापमान, प्रचण्ड लू चलने वाला और भू-जल के अभाव वाला इलाका है । देश में जल की कमी को महसूस करते हुए इस गंभीर विषय पर अपना संज्ञान लेकर और इस दिशा में ठोस कार्यवाही के लिए हमारे माननीय प्रधान मंत्री जी ने पहल शुरू की है । इसके लिए एक जल शक्ति मंत्रालय का गठन भी हुआ है, लेकिन मैंने आज अखबार में एक खबर पढी, जिसमें जल शक्ति मंत्रालय के द्वारा देश के लगभग 300 जिलों के लगभग 1600 प्रखण्ड़ों को चिह्नित किया गया है, जो जल क्षेत्र के अभाव वाले इलाके हैं, जिसमें हमारे संसदीय क्षेत्र का आधा हिस्सा है जो गया जिले में आता है । गया जिले का नाम तो उस सूची में है लेकिन औरंगाबाद जिले का नाम उस सूची में नहीं है, जबकि हमारे यहां लोगों को तीन-तीन किलोमीटर से पानी लाना पड़ता है ।

पानी का कोई विकल्प नहीं है । भूजल का स्तर इतना नीचे चला गया है कि लगभग सारे हैण्डपम्प्स सूख गए हैं । मेरा आपके माध्यम से, सरकार से, जलशक्ति मंत्रालय से यह निवेदन है, आग्रह है, मांग है कि औरंगाबाद जिले को भी उस सूची में शामिल किया जाए, ताकि वहां पीने के पानी का प्रबन्ध भारत सरकार की उस योजना के माध्यम से हो सके । धन्यवाद ।

माननीय अध्यक्ष: कुँवर पुष्पेन्द्र सिंह चन्देल एवं डॉ. निशिकांत दुबे को श्री सुशील कुमार सिंह द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है ।

कई विषयों पर जब चर्चा होगी, बजट, रेल आदि ऐसे विषय हैं, जिन पर डीटेल्ड चर्चा होगी, उस समय आप डीटेल्ड बात कह सकते हैं । शून्य काल में केवल वही सब्जेक्ट उठाना चाहिए, जो अर्जेंट मैटर हो । इसलिए मेरा सभी माननीय सदस्यों से आग्रह है कि बजट पर पहली बार इतनी लम्बी चर्चा होगी कि आप जितना बोलना चाहेंगे, उतना समय आप लोगों को मिलेगा ।

…(<u>व्यवधान</u>)

प्रो. सौगत राय (दमदम): सर, मेरा एक सवाल है । आप कह रहे हैं कि अभी इम्पोर्टेंट अर्जेंट मैटर उठाइए, क्या एक भी कैबिनेट मिनिस्टर यहां बैठे हुए हैं? लोग किसके लिए बोलेंगे? इतने दूरदराज एरिया से आए हैं, पहली बार बोलेंगे । …(व्यवधान) यहां एक भी कैबिनेट मिनिस्टर नहीं है । …(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: माननीय सदस्य, आप विराजें, मैं व्यवस्था देता हूं ।

…(<u>व्यवधान</u>)

माननीय अध्यक्ष: एक मिनट बैठिए, मैं व्यवस्था देता हूं ।

…(<u>व्यवधान</u>)

SHRI KODIKUNNIL SURESH (MAVELIKKARA): Sir, please give me one minute.…(*Interruptions*)

माननीय अध्यक्ष: माननीय सदस्य सुरेश जी, आप वरिष्ठ सदस्य हैं । कृपया बैठ जाइए ।

…(<u>व्यवधान</u>)

माननीय अध्यक्ष: आप वरिष्ठ सदस्य हैं ।

…(<u>व्यवधान</u>)

माननीय अध्यक्ष: माननीय वरिष्ठ सदस्य, अभी कैबिनेट की बैठक चल रही है और माननीय मंत्री जी मुझसे इजाज़त लेकर गए हैं ।

…(<u>व्यवधान</u>)

प्रो. सौगत राय : सर, मिनिस्टर ऑफ पार्लियामेंटरी अफेयर्स भी यहां नहीं हैं । …(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : माननीय सदस्य, आप बैठ जाइए ।

…(<u>व्यवधान</u>)

SHRI KODIKUNNIL SURESH: Sir, please give me one minute.… (*Interruptions*)

माननीय अध्यक्ष : कोई आवश्यकता नहीं है, नियम में ऐसा नहीं है ।

श्री वीरेन्द्र सिंह जी, आप बोलिए ।

…(<u>व्यवधान</u>)

डॉ. निशिकांत दुबे (गोड्डा): स्पीकर साहब नए लोगों को मौका दे रहे हैं ।… (व्यवधान)

प्रो. सौगत राय : लेकिन वे सुनें तब न । …(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: श्री वीरेन्द्र सिंह जी, आप बोलिए ।